ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–02
दिनांक– शुक्रवार, 05 जनवरी, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.3 एवं 8.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 98 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 62 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 0.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.5 एवं दोपहर में 24.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा तथा सुबह में मध्यम से घने कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(06–10 जनवरी, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 06–10 जनवरी, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम गरज वाले बादल बन सकते है। पष्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 6–7 जनवरी के आस–पास उत्तर बिहार के लगभग सभी जिलों के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा या बूंदा–बूंदी हो सकती है। हालांकि पूर्वानुमानित के अन्य दिनों में आमतौर पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है।
- अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में मध्यम से घने कुहासा छा सकता है।
- औसतन 2 से 3 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम की यह स्थिति आलू के फसल की पिछेता झुलसा बीमारी के लिए बेहद अनुकूल है, इस परिस्थिति में सभी आलू किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि जिन किसान भाईयो की आलू की फसल में अभी पिछेता झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है। ये मेंकोजेब या प्रोपीनेब या क्लोरोथेलीनील युक्त फफूंदनाशक दवा का 0.2–0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात 2.0–2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिडकाव तुरत करें। जिन खेतों में बीमारी आ चुकी उनमें किसी भी सिस्टमिक फफूंदनाशक साईमोक्सानिल मेल्कोजेब या फेनोमिडोन मेंकोजेब या डाईमेथोमार्फ मेंकोजेब का 3.0 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। फफूंदनाशक को दस दिन के अंतराल पर दोहराया जा सकता है। लेकिन बीमारी की तीव्रता के आधार पर इस अंतराल को घटाया या बठाया जा सकता है। किमान भाइयों को इस बात का भी ध्यान रखना होगा एक ही फफूंदनाशक का बार–बार छिड़काव न करें।
- नवम्बर माह के शुरु में बोयी गई रबी मक्का की फसल जो 55 से 60 दिनों की अवस्था में है। इन फसलों में 50 किलोग्राम नेत्रजन उर्वरक का व्यवहार कर मिट्टी चढ़ावें। मक्का की फसल में तना बेधक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडिया कोमल पत्तियों को खाती है तथा मध्य कलिका की पत्तियों के बीच घुसकर तने में पहुँच जाती है। तने के गुद् को खाती हुई जड़ की तरफ बढ़ती हुई सुरंग बनाती है। जिससे मध्य कलिका मुरझायी नजर आती है जो बाद में सुख जाती है। एक ही पौधे में कई सूंडिया मिलकर पौधें को खाती है। इस प्रकार फसल को यह काफी नुकसान पहुचाती है। उपचार हेतु फसल में फोरेट 10 जी0 या कार्बोफ्यूरान 3 जी0 का 7–8 दाना प्रति गाभा प्रति पौधा दें। फसल में अधिक नुकसान होने पर डेल्टामिथ्रिन 250–300 मि0ली0 प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- अगात मक्का की फसल जो 50 से 55 दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर 50 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन कर मिट्टी चढ़ा दे।
- सब्जियों वाली फसल में निकाई–गुड़ाई करें। अगात बोयी गयी मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें। इस रोग में पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- गेहूँ की 30 से 35 दिनों (पहली सिंचाई के बाद) की अवस्था जिसमें कई प्रकार के खर–पतवार गेंहूँ में उग आते है। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूँ की बढ़वार को अत्यधिक प्रभावित करती है। जिससे उपज में कमी आती है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के रोकथाम हेतु सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो 21 से 25 दिनों की हों गयी हो 30 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें, जिसमें पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- सरसों में सफेद रतुआ (व्हाईट रस्ट) रोग की निगरानी करें। इस रोग का प्रकोप फसल में दिखने पर इसके बचाव हेतु क्लोरथालोंनील दवा 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।

आज का अधिकतम तापमानः 23.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 10.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री अधिक

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)